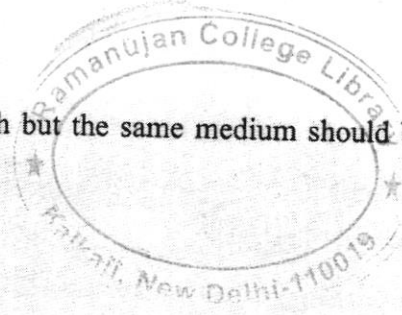


Sl. No. of Q.P. : 2490
Unique Paper Code : 12315405_OC
Paper Type : GE
Name of the Paper : Religion and Religiosity (Old Course)
Name of the Course : B. A. (Hons.) History
Semester : IV
Duration : 3 Hours
Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Attempt any **four** questions.
2. All questions carry equal marks.
3. Answers may be written in Hindi or English but the same medium should be followed throughout the paper.



छात्रों के लिए निर्देश

1. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए.
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं.
3. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए.

1. Discuss the Vedic and the Puranic religious traditions. How did the Puranas assimilated the local gods and goddesses into the pantheon of the Aryans?

वैदिक व पौराणिक धार्मिक परंपराओं की विवेचना कीजिए। पुराणों ने किस प्रकार से क्षेत्रीय देवी-देवताओं को आर्यों के देवमंडल में शामिल किया?

2. Elucidate the historical significance of the spread of Buddhism and Jainism in the post Vedic period.

वैदिक काल के बाद बौद्ध व जैन धर्म के प्रसार की ऐतिहासिक मायनों की विवेचना कीजिए।

3. 'The spread of Islam in India cannot be adequately understood with reference to 'conversion'. Comment on the argument with regard to diverse perspectives.

भारत में इस्लाम के प्रसार को 'धर्म परिवर्तन' के हवाले से नहीं समझा जा सकता। विविध दृष्टिकोणों के संदर्भ से उपयुक्त दलील पर टिप्पणी करें।

4. Write an essay on the establishment and popularity of the Sufism in India, especially with special reference to the Chishti silsila in the period of the Delhi Sultanate.

दिल्ली सल्तनत के काल में भारत में सूफियों के आगमन व लोकप्रियता पर एक निबंध चिश्ती सिलसिला के विशेष संदर्भ में लिखें।

5. Comment on the making and significance of the places of pilgrimage in medieval India with reference to one of the many such sacred spots.

मध्यकालीन भारत में मौजूद बहुत से पवित्र स्थलों में से किसी एक के हवाले से तीर्थ स्थानों के बनने तथा उनकी महत्ता पर टिप्पणी कीजिए।

6. How different were the religious developments of Bombay from those of north India during the same period?

उन्नीसवीं सदी के बंबई में धर्म की समझ उसी दौर के उत्तरी हिंदुस्तान में धर्म की समझ से कितनी अलग थी?

7. Ibbetson, the Commissioner of the 1881 census in Punjab, had stated, 'With the single exception of caste, no other one of the details which we have recorded is so difficult to fix with exactness [as religion] or needs so much explanation and limitation before the real value of the figures can be appreciated.' Why did the colonial officials find it difficult to enumerate religious identities?

1881 में पंजाब के सेन्सस कमिश्नर इब्बेट्सन ने लिखा था, 'जाति के अपवाद को छोड़ दें तो [आबादी के बारे में] और कोई भी ऐसी सूचना नहीं थी जिसको बिल्कुल ठीक ठीक तय कर पाना उतना मुश्किल रहा जितना कि धर्म। न ही किसी और मसले को लोगों तक पहुंचाने के लिए अलग से इतनी व्याख्या की जरूरत पड़ी।' सरकारी अफसरों को धार्मिक पहचानों की गणना करने में इतनी मुश्किलें क्यों आ रही थीं?

8. Discuss the circumstances under which the unique form of Indian secularism developed. How was it different from the experience of western countries?

उन परिस्थितियों की विवेचना करें जिनमें एक अनोखी किस्म की हिंदुस्तानी धर्मनिरपेक्षता का विकास हुआ। ये पश्चिमी देशों के अनुभव से किस तरह अलग था?